**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न संख्या: 121

उत्तर देने की तारीख: 18.11.2019

**बोर्ड परीक्षा फीस में वृद्धि**

121. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः
श्री सुधीर गुप्ताः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री गजानन कीर्तिकरः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सभी छात्रों के लिए दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं की फीस में अत्यधिक वृद्धि कर दी है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार को बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णय के बारे में अखिल भारतीय अभिभावक संघ से तीव्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या अखिल भारतीय अभिभावक संघ ने अपनी शिकायतों को उठाया है या सरकार/बोर्ड को अपने निर्णय की समीक्षा करने के लिए कोई अनुरोध प्रस्तुत किया है; और
(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार/बोर्ड की क्या प्रतिक्रिया है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')**

(क) और (ख): केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने न लाभ न हानि सिद्धांत पर सभी छात्रों के लिए कक्षा 10वीं व कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा, 2020 की परीक्षा फीस में निम्नवत वृद्धि की है:

| कक्षा | वृद्धि से पूर्व परीक्षा फीस | वृद्धि के बाद परीक्षा फीस |
|---|---|---|

| | अखिल भारतीय योजना (सभी सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के लिए) | दिल्ली योजना (केवल दिल्ली के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त एस/एसटी अभ्यर्थियों के लिए) | भारत में स्कूल | केवल दिल्ली के सरकारी स्कूलों के एस/एसटी अभ्यर्थियों के लिए |
|---|---|---|---|---|
| 10वीं | 750/- | 350/- (#) | 1500/- | 1200/- (*) |
| 12वीं | 750/- | 600/- (#) | 1500/- | 1200/- (*) |

(#) 2019 तक कक्षा 10 के लिए 350 रूपये और कक्षा 12 के लिए 600 रूपये की परीक्षा फीस में से दिल्ली सरकार के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के एससी/एसटी अभ्यर्थियों द्वारा केवल 50/- रूपये दिए गए थे और क्रमश: 300/- रूपये और 550/- रूपये की शेष राशि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा चुकाई गई थी।

(*) परीक्षा 2020 के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने दिल्ली सरकारी विद्यालयों, अनुदान सहायता प्राप्त विद्यालयों और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पत्राचार विद्यालयों के सभी विद्यार्थियों के संबंध में पूरी परीक्षा फीस का भुगतान किया है।

परीक्षा फीस में वृद्धि के कारण नीचे दिए गए हैं।

- कागज, मुद्रण, परिवहन की लागत में पर्याप्त वृद्धि;
- उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की लागत और शिक्षकों/पर्यवेक्षकों/मूल्यांकनकर्ताओं को पारिश्रमिक और टीए/डीए में वृद्धि;
- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा के सुरक्षित आयोजन के लिए कुछ विशेष उपाय किए हैं जिससे खर्च में वृद्धि हुई है;
- अब, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नीट, जेईई(एम) और यूजीसी (नेट) परीक्षाओं आदि जैसी प्रतियोगी/व्यावसायिक परीक्षाओं को संचालित नहीं कर रहा है। पूर्व में बोर्ड की परीक्षाओं पर सब्सिडी देने के लिए इन परीक्षाओं से प्राप्त अतिरिक्त संसाधनों का उपयोग किया जाता था।
- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एक स्ववित्तपोषित और आत्मनिर्भर बोर्ड है और अपने संसाधन स्वयं सृजित करता है। यह अपने खर्च के लिए भारत की समेकित निधि अथवा किसी अन्य प्राधिकरण से निधियां नहीं लेता; और

- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड देश भर में और बाहर 25 देशों में परीक्षाएं आयोजित करता है। भारत और विदेश में लगभग 5000 परीक्षा केन्द्र निर्धारित हैं और सभी केन्द्रों में परीक्षा के सुचारू आयोजन के लिए फीस में वृद्धि नितांत आवश्यक है।

(ग) और (घ): जी नहीं।

(ड.): प्रश्न नहीं उठता।

*****